



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY  
भाग III—खण्ड 4  
PART III—Section 4  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 5] नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 7, 2013/पौष 17, 1934  
No. 5] NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 7, 2013/PAUSA 17, 1934

## महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

### अधिसूचना

मुम्बई, 31 दिसम्बर, 2012

सं. टीएएमपी/70/2012-वीओसीपीटी.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38वां) की धारा 48, 49 एवं 50 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्वारा, कम गहराई वाले बर्थ पर सीमेंट और संबंधित कच्चे माल के प्रहस्तन के लिये, प्रशुल्क आदेश सं. टीएएमपी/44/2011-वीओसीपीटी दिनांक 18 जून, 2012 के माध्यम से निर्धारित अपफ्रंट बर्थ किराया प्रभारों की इस प्राधिकरण की अधिसूचना सं. टीएएमपी/52/2007-विविध दिनांक 26 फरवरी, 2008 के माध्यम से महापत्तन न्यासों पर अपफ्रंट प्रशुल्क निर्धारित करने के लिए मार्गदर्शियों के अनुसरण में समीक्षा के लिये वी.ओ. चिदंबरनार पत्तन न्यास से प्राप्त प्रस्ताव को इसके साथ संलग्न आदेशानुसार निपटाता है।

## महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

प्रकरण सं. टीएएमपी/70/2012-वीओसीपीटी

वी.ओ. चिदंबरनार पत्तन न्यास

.....

आवेदक

गणपूर्ति

(i) श्रीमती रानी जाधव, अध्यक्ष

(ii) श्री टी. एस. बाला सुब्रमणियम, सदस्य (वित्त)

**आदेश**

(दिसम्बर 2012 के 11 वें दिन पारित)

इस प्राधिकरण ने डीबीएफओटी आधार पर निर्मित किये जाने वाले कम गहराई वाले बर्थ पर सीमेंट और उससे संबंधित कच्चे माल के प्रहस्तन के लिए अपफ्रंट प्रशुल्क के निर्धारण हेतु बी.ओ. चिदंबरनार पत्तन न्यास (वीओसीपीटी) से प्राप्त प्रस्ताव को निपटाते हुए एक आदेश सं. टीएमपी/44/2011-वीओसीपीटी दिनांक 18 जून 2012 पारित किया है। यह आदेश भारत का राजपत्र में 30 जुलाई 2012 को राजपत्र सं. 167 के माध्यम से अधिसूचित किया गया था।

2. इस संबंध में, वीओसीपीटी ने दिनांक 1 नवम्बर 2012 के अपने पत्र के माध्यम से, जून 2012 के प्रशुल्क आदेश के माध्यम से निर्धारित बर्थ किराया प्रभारों के संशोधन पर विचार करने का अनुरोध किया है। वीओसीपीटी द्वारा उठाए गए मुख्य मुद्दे, संक्षेप में, निम्नानुसार हैं:-

- (i) जून 2012 के प्रशुल्क आदेश में बर्थ किराया प्रभार, वीओसीपीटी के प्रस्ताव के अनुसार 10000 डीब्ल्यूटी पोतों का यातायात अपेक्षित करते हुए अनुमोदित किया गया है।
- (ii) पोत परिवहन मंत्रालय में स्थायी वित्त समिति ने दिनांक 13 सितम्बर 2012 को आयोजित अपनी बैठक में वीओसीपीटी को निदेश दिया है कि वह 20000 डीडब्ल्यूटी के प्रहस्तन के लिए गहराई हेतु, सीओडी की शून्य / जीरो तिथि से संशोधित टीएमपी अधिसूचना प्राप्त करे।
- (iii) चूँकि जून 2012 के आदेश में, इससे पहले विचार की गई पूंजी लागत रु. 84.06 करोड़ में कोई परिवर्तन नहीं है, परिवर्तन केवल बर्थ किराया प्रभारों के संबंध में अपेक्षित है।
- (iv) अनुमानित रूप से 80% पोत 10000 डीडब्ल्यूटी श्रेणी के प्रहस्तित किये जाने हैं और शेष बचे पोत 20000 डीडब्ल्यूटी श्रेणी के होंगे। इस प्रकार, बर्थ किराया प्रभार दो अलग-अलग श्रेणियों, यथा, "13000 जीआरटी तक" और "13000 जीआरटी से अधिक" के लिए निम्नानुसार प्रस्तावित है।

क्र.	पोतों का वर्ग	दर प्रति जीआरटी प्रति घंटा या उसका अंश	
		विदेशी (रु. में)	तटीय (रु. में)
(i)	पोत (13000 जीआरटी तक)	1.68	1.01
(ii)	पोत (13000 जीआरटी से अधिक)	0.93	0.56

(वीओसीपीटी ने इस संबंध में गणनाएँ प्रस्तुत की हैं)

- (v) शेष बचे कार्गो प्रहस्तन प्रभार, भंडारण प्रभार और विविध प्रभार वैसे ही रहेंगे जैसे आदेश सं. टीएमपी/44/2011-वीओसीपीटी दिनांक 18 जून 2012 द्वारा अधिसूचित किये गए थे।

3. प्रशुल्क आदेश सं. टीएमपी/44/2011-वीओसीपीटी दिनांक 18 जून 2012 के माध्यम से अनुमोदित और अब वीओसीपीटी द्वारा प्रस्तावित बर्थ किराया प्रभार की तुलनात्मक स्थिति नीचे दिए गए हैं:

पोतों का वर्ग	अपफ्रंट प्रशुल्क आदेश सं. टीएमपी/ 44/2011-वीओसीपीटी, दिनांक 18 जून 2012 के अनुसार		बर्थ किराया प्रभार के संशोधन हेतु वीओसीपीटी के पत्र दिनांक 1 नवम्बर 2012 के अनुसार	
	दर प्रति जीआरटी प्रति घंटा या उसका अंश			
	विदेशी (रु. में)	तटीय (रु. में)	विदेशी (रु. में)	तटीय (रु. में)
पोत	1.68	1.01	-	-
पोत (13000 जीआरटी तक)	-	-	1.68	1.01
पोत (13000 जीआरटी से अधिक )	-	-	0.93	0.56

4. चूंकि पत्तन द्वारा अब दाखिल प्रस्ताव में, प्रासंगिक स्टेक धारकों के परामर्श से जून 2012 में पहले अनुमोदित बर्थ किराया प्रभारों में फेर बदल शामिल है, वीओसीपीटी द्वारा अब दाखिल प्रस्ताव प्रदत्त परामर्शी प्रक्रिया के अनुसार परामर्श के लिए लिया गया था और दिनांक 1 नवम्बर 2012 का पत्तन का प्रस्ताव संबंधित उपयोगकर्ताओं / उपयोगकर्ता संगठनों / आरएफक्यू आवेदकों को इस अनुरोध के साथ परिपत्रित किया गया था कि वे अपनी राय / टिप्पणियाँ सीधे-सीधे वीओसीपीटी को भेजें। वीओसीपीटी से अनुरोध किया गया था कि वह उपयोगकर्ताओं / उपयोगकर्ता संगठनों / आरएफक्यू आवेदकों को इस अनुरोध के साथ परिपत्रित किया गया था कि वे अपनी राय / टिप्पणियाँ सीधे-सीधे वीओसीपीटी को भेजें। वीओसीपीटी से अनुरोध किया गया था कि वह उपयोगकर्ताओं / उपयोगकर्ता संगठनों / आरएफक्यू आवेदकों की टिप्पणियों का उत्तर दे। प्रकरण को अंतिम रूप दिए जाने तक हमें वीओसीपीटी का प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

5. प्रस्ताव की प्रारम्भिक जाँच-पड़ताल के आधार पर दिनांक 8 नवम्बर 2012 के हमारे पत्र द्वारा वीओसीपीटी से अतिरिक्त सूचना / स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। वीओसीपीटी ने दिनांक 15 नवम्बर 2012 के अपने पत्र के द्वारा उत्तर दिया है। हमारे द्वारा उठाए गए प्रश्नों और पत्तन द्वारा प्रस्तुत उत्तरों का संक्षिप्त रूप नीचे तालिका में दिया गया है :

क्र.सं.	हमारे द्वारा पूछे गए प्रश्न	वीओसीपीटी द्वारा दिये गए उत्तर
1.	20000 डीडब्ल्यूटी के प्रहस्तन हेतु प्रदत्त गहराई के लिए संशोधित टीएमपी अधिसूचना प्राप्त करने के लिए स्थायी वित्त समिति द्वारा निदेश देने के बावजूद वीओसीपीटी ने केवल बर्थ किराया प्रभारों में संशोधन के लिए ही अनुरोध किया है। इस संदर्भ में वीओसीपीटी को निम्नलिखित प्रस्तुत करना है:	तथ्यात्मक
(क)	प्रचालनों के आरम्भ की पहली ही तिथि से, स्था.वि.सं. की सलाह के बावजूद 20000 डीडब्ल्यूटी के पोतों पर 100% पर विचार न करने का क्या कारण रहा।	स्था.वि.समि. की बैठक में मंत्रालय ने इस पत्तन को 20,000 डीडब्ल्यूटी पोत के प्रहस्तन हेतु गहराई के लिये टीएमपी से संशोधित अधिसूचना प्राप्त करने की सलाह दी थी। वर्तमान प्रवृत्तियों के अनुसार 10000 डीडब्ल्यूटी पोतों (पोतों का 80%) के अतिरिक्त शेष 20% 20,000 डीडब्ल्यूटी की रैंज में होने की आशा है। स्था.वि.स. की बैठक में 20,000 डीडब्ल्यूटी पोतों में 100% पर विचार करने का कोई संकेत नहीं था। इसलिये, 10,000 डीडब्ल्यूटी पोतों के प्रकोष्ठ में 80% पोतों का आधार और शेष 20%, 20,000 डीडब्ल्यूटी प्रकोष्ठ में स्वीकार किए जाएं।
(ख)	कुल पोतों का 20%, 20,000 डीडब्ल्यूटी श्रेणी में और कुल पोतों का 80%, 10,000 डीडब्ल्यूटी श्रेणी में विचार करने का आधार बताइए।	उपयोगकर्ताओं / निर्माताओं से चर्चा के आधार पर और व्यापारिक रुझान / झुकाव को देखकर ही कुल पोतों के 20% की 20000 डीडब्ल्यूटी श्रेणी में और कुल पोतों के 80% की 10000 डीडब्ल्यूटी श्रेणी में अपेक्षा की गई है।

(ग)	वीओसीपीटी ने बर्थ किराया प्रभार दो चरणों के तहत, यथा, 13000 जीआरटी तक और 13000 जीआरटी से अधिक के लिये देना प्रस्तावित किया है। इन दो चरणों के लिये क्या कारण हैं और "13000 जीआरटी तक" "13000 जीआरटी से अधिक" का आधार बताइये।	सामान्यतः पोतों का डीडब्ल्यूटी, प्रासंगिक पोतों के जीआरटी के 1.5 गुना की रेंज में होता है। तदनुसार, 20000 डीडब्ल्यूटी का 1.5 से भाग करके निकाला गया है जो 13,333 जीआरटी होता है जिसे 13000 जीआरटी कर दिया गया है। इसलिये दरों को दो पायदानों अर्थात् "13000 जीआरटी तक" और "13000 जीआरटी से अधिक" में बांटा गया है।
(ii)	दिनांक 01 नवंबर 2012 के वीओसीपीटी के पत्र से ऐसा लगता है कि वीओसीपीटी ने 10000 डीडब्ल्यूटी पोतों की जरूरतों को पूरा करने के लिये उस प्रहस्तन उपकरण में किसी परिवर्तन पर कोई विचार नहीं किया है जिस पर उसने सीमेंट और संबंधित कच्चा माल के प्रहस्तन हेतु अपफ्रंट प्रशुल्क के निर्धारण हेतु दाखिल प्रस्ताव में विचार किया था और जो प्रस्ताव इस प्राधिकरण द्वारा दिनांक 18 जून 2012 के आदेश द्वारा निपटा दिया गया था। इसलिए वीओसीपीटी पुष्टि करे कि क्या पिछले प्रस्ताव में, जो दिनांक 18 जून 2012 के आदेश द्वारा निपटा दिया गया था, प्रस्तावित उपकरण 20000 डीडब्ल्यूटी पोतों की आवश्यकता को भी पूरा करेगा। वीओसीपीटी प्रहस्तन उपकरण में किसी परिवर्तन पर विचार न करने के भी कारण बताए।	पुष्टि की जाती है कि पिछले प्रस्ताव में रु.24.80 करोड़ (कुल उपकरण लागत) की पूंजी लागत पर पहले विचार किया गया प्रहस्तन उपकरण द्वारा ही 22.80 मीटर लंबे बीम के साथ 20000 डीडब्ल्यूटी पोतों की आवश्यकता पूरी की जाने की उम्मीद है। उपरोक्त प्रस्ताव 18 जून 2012 के आदेश द्वारा निपटा दिया गया है। इसलिये, प्राधिकरण 10000 डीडब्ल्यूटी परिदृश्य के साथ-साथ 20000 डीडब्ल्यूटी के परिदृश्य में भी प्रहस्तन के लिए उसी उपकरण की स्थिति पर विचार करे।
(iii)	बड़े आकार (10000 डीडब्ल्यूटी से बड़े) के पोतों के सभी संभावनाओं में आने पर टर्मिनल की इष्टतम क्षमता पर मॉडल भी बदलेगा। किन्तु वीओसीपीटी ने टर्मिनल की इष्टतम क्षमता में किसी वृद्धि पर विचार नहीं किया है। इसलिए, वीओसीपीटी दिनांक 18 जून 12 के प्रशुल्क आदेश में विचार की गई टर्मिनल की इष्टतम क्षमता की भी समीक्षा करे।	जैसाकि रु. 24.80 करोड़ की पूंजी लागत पर पहले से विचार किये गए उपकरण 20000 डीडब्ल्यूटी पोतों के प्रहस्तन की आवश्यकता को भी पूरा करेंगे, इसलिए पहले से प्रस्तुत प्रहस्तन दर में कोई परिवर्तन नहीं होगा और, साथ-साथ टर्मिनल की इष्टतम क्षमता और प्रकल्प की कुल पूंजी लागत में भी कोई परिवर्तन नहीं होगा। साथ ही, बर्थ किराया प्रभार के अलावा अन्य सभी दर अपरिवर्तित रहेंगी।
(iv)	वीओसीपीटी, स्था.वि.स. बैठक के कार्यवृत्त की एक प्रति अवलोकनार्थ प्रस्तुत करे। उपरोक्त को देखते हुए और अधिक छानबीन के अधीन इष्टतम क्षमता के साथ-साथ अन्य प्रभारों में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। इसलिए, उपरोक्त बातों के प्रकाश में वीओसीपीटी को अपने प्रस्ताव पर पुनः विचार करने की आवश्यकता है, जिसमें विभिन्न प्रभारों की फिर से गणना की और अपेक्षित विवरण पुनः प्रस्तुत करने की आवश्यकता है।	स्था.वि.समिति के कार्यवृत्त की प्रति अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

6. संदर्भित प्रकरण में संयुक्त सुनवाई 29 नवम्बर 2012 को वीओसीपीटी परिसर में आयोजित की गई थी। वीओसीपीटी ने अपना प्रस्ताव पावर-प्वाइंट पर प्रस्तुत किया। संयुक्त सुनवाई में वीओसीपीटी और भारतीय नौवहन निगम (एससीआई) ने निम्नलिखित प्रस्तुतियाँ दीं:

**वी.ओ.चिदंबरनार पत्तन न्यास**

- (i) स्थायी वित्त समिति की बैठक में पोत परिवहन (नौवहन) मंत्रालय ने 20000 डीडब्ल्यूटी पोतों के प्रहस्तन हेतु प्रदत्त गहराई के लिए टीएएमपी अधिसूचना प्राप्त करने हेतु पत्तन को निदेश दिया है। मंत्रालय ने, टीएएमपी द्वारा विचार की गई रु. 24.80 करोड़ की पूंजी लागत का ही अनुसरण करने का निर्णय किया है। पत्तन मंत्रालय की निदेश से बंधा है।
- (ii) वर्तमान प्रवृत्ति 10000 डीडब्ल्यूटी पोतों के लिए 80% और 20000 डीडब्ल्यूटी पोतों के लिए 20% की है। इसलिए, बर्थ किराया प्रभार दो चरणों में निर्धारित करने की आवश्यकता है।

**भारतीय नौवहन निगम (एससीआई)**

हमारे पोत अपेक्षाकृत बड़े-बड़े हैं। हमें कुछ और नहीं कहना है।

7. इस प्रकरण पर कार्यवाही करने के दौरान एकत्रित की गई सूचना की समग्रता के संदर्भ से निम्नलिखित स्थिति उभरती है:-

- (i) डीबीएफओटी आधार पर निर्माण किए जाने वाले कम गहराई वाले बर्थ (शैलो डॉट बर्थ) पर सीमेंट और संबंधित कच्चे माल के प्रहस्तन के लिए अपफ्रंट प्रशुल्क के निर्धारण के लिए वी.ओ.चिदंबरनार पत्तन न्यास(वीओसीपीटी) से प्राप्त प्रस्ताव को निपटाते हुए इस प्राधिकरण ने एक आदेश सं. टीएएमपी/44/2011-वीओसीपीटी, दिनांक 18 जून 2012 पारित किया है। कथित आदेश के माध्यम से वीओसीपीटी स्थित शैलो डॉट बर्थ पर सीमेंट और संबंधित कच्चे माल के प्रहस्तन के लिए प्रहस्तन प्रभार भंडारण प्रभार, विविध प्रभार और बर्थ किराया प्रभार, अधिकतम अपफ्रंट प्रशुल्क के रूप में अनुमोदित किए गए हैं।

इस संदर्भ में यह याद रहे कि कथित आदेश के निपटान से संबंधित कार्यवाही में वीओसीपीटी ने आरम्भ में 10000 डीडब्ल्यूटी तक के आकार वाले पोतों के प्रहस्तन पर विचार किया था और भविष्य में 20000 डीडब्ल्यूटी के पोतों पर विचार किया था। जैसा कि कथित आदेश में दर्ज है, बर्थ को 20000 डीडब्ल्यूटी के पोतों के प्रहस्तन के लिए डिज़ाइन किया गया है और प्रस्ताव में विचार की गई पूंजी लागत और प्रचालन लागत 20000 डीडब्ल्यूटी तक के पोतों के लिए उपयुक्त हैं। किन्तु, वीओसीपीटी द्वारा प्रस्तुत बर्थ किराया गणनाओं में उस समय केवल 10000 डीडब्ल्यूटी तक आकार के पोत को ही हिसाब में शामिल किया जैसा कि वीओसीपीटी ने प्रकल्प अवधि के दौरान केवल 10000 डीडब्ल्यूटी पोतों के प्रहस्तन की ही कल्पना की थी। वीओसीपीटी द्वारा सूचित स्थिति पर भरोसा करते हुए अपफ्रंट बर्थ किराया प्रभार शैलो डॉट बर्थ पर 10000 डीडब्ल्यूटी पोतों के प्रहस्तन के लिए अनुमोदित किया गया था, साथ में पत्तन को सलाह दी गई थी कि वह जून 2012 में दर्ज किये अनुसार, जब कभी आकस्मिक रूप से आवश्यकता आ पड़े स्थिति की समीक्षा करे।

- (ii) 20000 डीडब्ल्यूटी पोतों के प्रहस्तन के लिए प्रदत्त गहराई के लिए इस प्राधिकरण से संशोधित अधिसूचना प्राप्त करने हेतु स्थायी वित्त समिति की सलाह के आधार पर वीओसीपीटी ने बर्थ किराया प्रभारों के संशोधन के लिए अब एक प्रस्ताव दाखिल किया है ताकि शैलो डॉट बर्थ पर 20000 डीडब्ल्यूटी पोतों के प्रहस्तन को हिसाब / लेखा में शामिल किया जा सके। वीओसीपीटी ने जून 2012 के आदेश के माध्यम से अनुमोदित प्रहस्तन प्रभार, भंडारण प्रभार और विविध प्रभार में किसी फेरबदल के लिए प्रस्ताव नहीं किया है।

इस संबंध में, ध्यान देने योग्य है कि इस आधार पर कि जून 2012 के आदेश में विचार किया गया उपकरण 20000 डीडब्ल्यूटी पोतों की आवश्यकता को भी पूरा करेगा। वीओसीपीटी ने कहा है कि पहले से विचार किये गए उपकरण की प्रहस्तन दर में कोई परिवर्तन नहीं होगा। चूंकि उपकरण की प्रहस्तन दर में कोई बदल नहीं है, सुविधा की इष्टतम क्षमता भी अपरिवर्तित ही रहने वाली है। चूंकि उपकरण वही रहने वाला है अतः सुविधा के लिए अनुमानित पूंजी लागत में कोई परिवर्तन परिकल्पित नहीं किया गया है। इस प्रकार रु. 84.08 करोड़ की अनुमानित पूंजी लागत, जो जून 2012 के आदेश में ली गई थी, बिना किसी परिवर्तन के यथावत रखे जाने हेतु प्रस्तावित है, जैसा स्था.वि.समिति द्वारा समर्थन किया गया है। परिणामस्वरूप, वीओसीपीटी का प्रस्ताव जून 2012 के आदेश के माध्यम से निर्धारित केवल अपफ्रंट बर्थ किराया प्रभार की समीक्षा के लिए ही है। तदनुसार यह विश्लेषण, वीओसीपीटी के अनुरोधानुसार केवल अपफ्रंट बर्थ किराया प्रभार की समीक्षा के लिए ही आगे बढ़ता है।

(iii) जैसा कि इससे पहले उल्लेख किया गया है, स्था.वि.स. का परामर्श, वाणिज्यिक प्रचालन तिथि (सीओडी) से 20000 डीडब्ल्यूटी पोतों के प्रहस्तन के लिए प्रभारों के लिए इस प्राधिकरण का अनुमोदन प्राप्त करने के लिए है। इस संबंध में, उपयोगकर्ताओं, निर्माताओं से विचार विमर्श के आधार पर और व्यापार जगत का रुझान देखते हुए वीओसीपीटी ने प्रस्तावित किया है कि सुविधा पर दस्तक देने वाले कुल पोतों का 20%, 20000 डीडब्ल्यूटी की श्रेणी का होगा और शेष 80%, 10000 डीडब्ल्यूटी की श्रेणी का होगा। प्रकरण की समीक्षा से संबंधित कार्यवाही के दौरान न तो उपयोगकर्ताओं ने और न ही बोलीदाताओं ने वीओसीपीटी द्वारा विचार किये गए अनुपात पर कोई आपत्ति जताई है। इस स्थिति को देखते हुए 20000 डीडब्ल्यूटी पोतों तथा 10000 डीडब्ल्यूटी पोतों के बीच के अनुपात पर जैसा वीओसीपीटी ने संशोधित अपफ्रंट बर्थ किराया प्रभारों की गणना में 20:80 विचार किया है, विश्वास किया जाता है।

(iv) जैसाकि संदर्भित मामले से संबंधित तथ्यात्मक स्थिति में वीओसीपीटी द्वारा उल्लेख किया गया है, सामान्यतः एक पोत का डीडब्ल्यूटी उसी पोत के जीआरटी का 1.5 गुणा होता है। इस स्थिति के आधार पर वीओसीपीटी ने संशोधित अपफ्रंट बर्थ किराया प्रभार दो चरणों यथा, 13000 जीआरटी तक और 13000 जीआरटी से अधिक के अंतर्गत प्रस्तावित किया है जो क्रमशः 10000 डीडब्ल्यूटी और 20000 डीडब्ल्यूटी के पोतों के अनुरूप है।

बर्थ किराया प्रभारों से कुल राजस्व आवश्यकता रु. 723.27 लाख को जैसी जून 2012 के प्रशुल्क आदेश में निर्धारित की गई थी, बिना किसी परिवर्तन यथावत रखा गया है। रु. 723.27 लाख की यह अनुमानित राजस्व आवश्यकता 20:80 के अनुपात में क्रमशः 10000 डीडब्ल्यूटी पोतों और 20000 डीडब्ल्यूटी पोतों के प्रहस्तन से वसूल किए जाने का प्रस्ताव है। बर्थ किराया प्रभारों के दो चरणों पर पहुँचने के लिए वीओसीपीटी द्वारा अपनायी गई कार्यविधि, जून 2012 के आदेश में शैलो ड्राफ्ट, बर्थ के लिए बर्थ किराया प्रभार प्रदान करते समय इस प्राधिकरण द्वारा विश्वास की गई कार्यविधि (नजरिये) के अनुरूप पाई गई है। तदनुसार, वीओसीपीटी ने, 10000 डीडब्ल्यूटी पोतों और 20000 डीडब्ल्यूटी पोतों के प्रहस्तन के लिए प्रासंगिक बर्थ किराया प्रभारों की गणना कर ली है। बर्थ किराया गणना की एक प्रति संलग्नक के रूप में संलग्न है।

13000 जीआरटी तक के पोतों के लिए इस प्रकार परिगणित बर्थ किराया प्रभार विदेशगामी पोतों के लिए रु. 1.68 है और तटीय पोतों के लिए रु. 1.01 है। इसी प्रकार 13000 जीआरटी से अधिक के पोतों के लिए बर्थ किराया प्रभार, विदेशगामी पोतों के लिए रु. 0.93 है और तटीय पोतों के लिए रु. 0.56 है।

विगत में अधिकतम अपफ्रंट प्रशुल्क प्रदान करने के लिए, वीओसीपीटी समेत विभिन्न महापत्तनों से प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर एकल अपफ्रंट बर्थ किराया प्रभार अनुमोदित किया गया है। वास्तव में, 2005 के प्रशुल्क मार्गदर्शियों की धारा 6.10 भी एकल बर्थ किराया प्रभार प्रदान करने का अनुबंध करती है। किन्तु, एक ही प्रयास में बर्थ किराया प्रभारों को न्याय संगत बनाने के लिए महापत्तन

न्यासों द्वारा व्यक्त की गई कठिनाइयों के आधार पर, इस प्राधिकरण ने, विशाखापत्तनम् पत्तन न्यास (वीपीटी), कोच्चि पत्तन न्यास (सीओपीटी) मुर्गाव पत्तन न्यास (एमओपीटी) और स्वयं वीओसीपीटी जैसे महापत्तन न्यासों में से कुछ चरणवार बर्थ किराया प्रभार के लिए अनुमोदन प्रदान किया है। इस स्थिति को देखते हुए और चरणवार बर्थ किराया प्रभार प्रदान करने के लिए वीओसीपीटी द्वारा प्रदत्त कारणों के आधार पर यह प्राधिकरण पत्तन के प्रस्ताव के अनुसार शैलो डॉट बर्थ के लिए चरणवार बर्थ किराया प्रभार प्रदान करने को प्रवृत्त है।

- (v) जैसा कि पहले बताया गया है, सुविधा पर दस्तक देने हेतु अपेक्षित 10000 डीडब्ल्यूटी पोतों और 20000 डीडब्ल्यूटी पोतों का अनुपात वीओसीपीटी द्वारा 80:20 माना गया है। सुविधा की इष्टतम क्षमता (2665902मी.ट.) और बर्थ किराया गतिविधि से अनुमानित राजस्व आवश्यकता (रु.723.37 लाख) को अभुण्ण रखते हुए हमारी गणनाएँ दिखाती हैं कि 10000 डीडब्ल्यूटी पोतों और 20000 डीडब्ल्यूटी पोतों के बीच जिनके सुविधा पर दस्तक देने की उम्मीद है, अनुपात में किसी परिवर्तन का, पोतों की कथित श्रेणी के प्रहस्तन के लिये इस तरह निर्धारित चरणवार बर्थ किराया प्रभार पर कोई प्रभार नहीं पड़ेगा। दूसरे शब्दों में, सुविधा पर आने के लिये प्रत्याशित 10000 डीडब्ल्यूटी पोतों और 20000 डीडब्ल्यूटी पोतों का अनुपात कुछ भी हो, 10000 डीडब्ल्यूटी पोत के लिये रु.1.68 प्रतिजीआरटी प्रति घंटा और 20000 डीडब्ल्यू पोत के लिये रु.0.93 प्रति जीआरटी प्रति घंटा की दर से बर्थ किराया प्रभार की लेवी से बीओटी प्रचालक, बर्थ किराया गतिविधि से केवल अनुमानित राजस्व आवश्यकता ही प्राप्त कर पायेगा, इससे ज्यादा नहीं।

8. परिणाम स्वरूप, और ऊपर दिये गए कारणों से तथा समग्र विचार विमर्श के आधार पर, यह प्राधिकरण बर्थ किराया प्रभारों में संशोधन के लिये वीओसीपीटी के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान करता है। प्रशुल्क आदेश सं. टीएएमपी/44/2011-वीओसीपीटी दिनांक 18 जून 2012 के माध्यम से अनुमोदित दरमान के खंड 2.1 पर प्रदत्त बर्थ किराया अनुसूची को निम्नलिखित अनुसूची से प्रतिस्थापित किया जाता है :

" 2.1 बर्थ किराया अनुसूची

क्रम सं.	पोत	दर प्रति जीआरटी प्रति घंटा या उसका अंश	
		विदेशी (रु. में)	तटीय (रु. में)
(i)	पोत (13000 जीआरटी तक)	1.68	1.01
(ii)	पोत (13000 जीआरटी से ज्यादा)	0.93	0.56

रानी जाधव, अध्यक्ष

[ विज्ञापन III/4/143/12/असा. ]

संलग्न

संशोधित बर्ध किराया परिगणना

क्र.सं.	विवरण	इकाई	10000डीडब्ल्यूटी पोतों के लिए (80%)						20000डीडब्ल्यूटी पोतों के लिए (20%)					
			बल्क सीमेंट निर्यात	बल्क सीमेंट आयात	शुष्क बल्क कार्गो	थेला बंद कार्गो	कुल योग	बल्क सीमेंट निर्यात	बल्क सीमेंट आयात	शुष्क बल्क कार्गो	थेला बंद कार्गो	कुल योग	बल्क सीमेंट निर्यात	बल्क सीमेंट आयात
i	पोत दिवस आउटपुट (उत्पादन)	टन / प्रति दिन	13388	5355	10000	4000		13388	5355	10000	4000		13388	5355
ii	औसत जीआरटी	टन	7000	7000	7000	7000		7000	7000	7000	7000		7000	7000
iii	औसत पार्सल आकार	टन	6000	6000	6000	6000		6000	6000	6000	6000		6000	6000
iv	प्रहस्तन हेतु अपेक्षित टनेज	टन	1422984	284586	408800	16352	2132722	355746	71147	102200	4088	533181	355746	71147
v	बर्ध दिनों की औसत सं. (iv/i)	दिन	106	53	41	4	204	27	13	10	1	51	27	13
vi	बर्ध घंटों की संख्या (24 x (v))	घंटे	2551	1275	981	98	4906	638	319	245	25	1226	638	319
vii	प्रतीक्षा समय की मद में अतिरिक्त घंटे (3.6 x (viii))	घंटे	854	171	245	10	1280	107	21	31	1	160	107	21
viii	पोतों की प्रत्याशित सं. (iv x iii)	संख्या	237	47	68	3	355	30	6	9	0	44	30	6
ix	कुल जीआरटी घंटे (ii x vi)	जीआरटी घंटे	17856387	8928201	686784	34339212	8290465	4145236	3188640	3188640	318864	15943206	4145236	3188640
x	राजस्व आवश्यकता	रूपये					578.62					144.65		
xi	विदेश गामी पोतों के लिए बर्ध किराया प्रभार	रु. प्रति जीआरटी प्रति घंटा					1.68					0.93		
xii	तटीय पोतों के लिए बर्ध किराया प्रभार	रु. प्रति जीआरटी प्रति घंटा					1.01					0.56		



**TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS  
NOTIFICATION**

Mumbai, the 31st December, 2012

**No. TAMP/70/2012-VOCPT.**—In exercise of the powers conferred by Sections 48, 49 and 50 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby disposes of the proposal received from the V.O. Chidambaranar Port Trust for review of upfront berth hire charges at shallow draught berth for handling cement and related raw materials fixed vide Tariff Order No. TAMP/44/2011-VOCPT dated 18th June, 2012 in pursuance of the guidelines for upfront tariff setting at Major Port Trusts vide this Authority's Notification No. TAMP/52/2007-Misc. dated 26th February, 2008 as in the Order appended hereto.

**TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS**

**Case No. TAMP/70/2012-VOCPT**

**V.O. Chidambaranar Port Trust**

**Applicant**

- (i). Smt. Rani Jadhav, Chairperson  
(ii). Shri. T.S. Balasubramanian, Member (Finance)

**ORDER**

(Passed on this 11th day of December 2012)

This Authority has passed an Order No. TAMP/44/2011-VOCPT dated 18 June 2012 disposing of the proposal received from the V.O. Chidambaranar Port Trust (VOCPT) for fixation of upfront tariff for handling cement and related raw materials at the shallow draught berth to be constructed on DBFOT basis. This Order was notified in the Gazette of India on 30 July 2012 vide Gazette no. 167.

2. In this connection, the VOCPT vide its letter dated 01 November 2012 has requested to consider the revision of Berth Hire charges fixed vide tariff Order of June 2012. The main points made by the VOCPT are summarized below:

- (i). In the tariff Order of June 2012, the Berth hire charge has been approved anticipating traffic of 10000 DWT vessels, as proposed by the VOCPT.
- (ii). The Standing Finance Committee in the Ministry of Shipping in its meeting held on 13 September 2012 has directed the VOCPT to obtain revised TAMP Notification for Draught provided to handle 20000 DWT from the Zero date of COD.
- (iii). Since there is no change in the Capital Cost already considered earlier in the June 2012 Order at ₹84.06 crores, change is required only in respect of berth hire charges.
- (iv). 80% of the vessels are estimated to be handled of 10000 DWT category and the remaining vessels in the 20000 DWT category. Thus, berth hire charges are proposed separately for two categories viz., 'upto 13000 GRT' and 'above 13000 GRT' in the following manner:

Sl. No.	Vessels	Rate per GRT per hour or part thereof	
		Foreign (in ₹)	Coastal (in ₹)
(i).	Vessels (upto 13000 GRT)	1.68	1.01
(ii).	Vessels (above 13000 GRT)	0.93	056

(The VOCPT has furnished calculations in this regard.)

- (v). The remaining cargo handling charges, storage charges and Miscellaneous charges will remain the same as notified vide Order No. TAMP/44/2011-VOCPT dated 18 June 2012.

3. A comparative position of the Berth Hire charge approved vide tariff Order No. TAMP/44/2011-VOCPT dated 18 June 2012 and that proposed by the VOCPT now is given below:

1084/12-3

Category of Vessels	As per upfront tariff Order No.TAMP/44/2011-VOCPT dated 18 June 2012		As per the request of VOCPT's letter dated 01 November 2012 for revision of berth hire charges	
	Rate per GRT per hour or part thereof			
	Foreign (in ₹.)	Coastal (in ₹.)	Foreign (in ₹.)	Coastal (in ₹.)
Vessels	1.68	1.01	-	-
Vessels (upto 13000 GRT)	-	-	1.68	1.01
Vessels (above 13000 GRT)	-	-	0.93	0.56

4. Since the proposal now filed by the port involves modification to the berth hire charge approved earlier in June 2012 in consultation with the relevant stakeholders, the proposal now filed by the VOCPT was taken up on consultation in accordance with the consultation process prescribed and the proposal of the port dated 01 November 2012 was circulated to the concerned users/ user organisations/ RFQ Applicants requesting them to furnish their comments directly to VOCPT. The VOCPT was requested to respond to the comments of users/ user organisations/ RFQ Applicants. We have not received response of the VOCPT till the finalisation of the case.

5. Based on a preliminary scrutiny of the proposal, the VOCPT was requested vide our letter dated 08 November 2012 to furnish additional information/ clarifications. The VOCPT has responded vide its letter dated 15 November 2012. A summary of the queries raised by us and the replies furnished by the port is tabulated below:

Sl. No.	Queries raised by us	Reply furnished by VOCPT
(i).	As directed by the Standing Finance Committee (SFC) to obtain revised TAMP notification for draught provided to handle 20000 DWT, the VOCPT has requested for revision only in the Berth hire charges. In this context, the VOCPT to furnish the following:	-- Factual --
(a).	Reasons for not considering the vessels of 20000 DWT at 100% as advised by the SFC from the zero date of commencement of operations.	Ministry in SFC meeting advised this Port to obtain the TAMP Notification for the draught to handle 20,000 DWT. As per the current trends, in addition to 10,000 DWT vessels (80% of the vessels) balance 20% is expected to be in the range of 20,000 DWT vessels. There is no indication in the SFC meeting to consider 100% in 20,000 DWT vessels. Hence, the basis of 80% vessels in the 10,000 DWT vessels bracket and balance 20% under the 20,000 DWT bracket may please be accepted.
(b).	The basis for considering 20% of total vessels to be in the 20000 DWT category and 80% of total vessels in the 10000 DWT category.	Based on the discussions with Users/ manufactures and observing the Trade trend only, it is expected that 20% of total vessels to be in the 20,000 DWT category and 80% of total vessels in the 10,000 DWT category.
(c).	The VOCPT has proposed to prescribe the berth hire charges under two slabs i.e., upto 13000 GRT and above 13000 GRT. The reasons for two slabs and the basis for "upto 13000 GRT" and "above 13000 GRT" to be explained.	In General, the DWT of the vessels are in the range of 1.5 times of GRT of the relevant vessels. Accordingly, the GRT of the 20,000 DWT vessels is worked out by dividing the 20,000 DWT by 1.5 times which is equal to 13,333 GRT. It is rounded off to 13,000 GRT. Hence, the rates are bifurcated into two slabs viz., " upto 13,000 GRT " and " above 13,000 GRT ".
(ii).	It appears from the VOCPT's letter dated 01 November 2012, that the VOCPT has not envisaged any change in the handling equipment considered to cater to 10000 DWT vessels in the proposal submitted for	It is confirmed that the handling equipments already considered in the earlier proposal at the capital cost of ₹24.80 crores (Total equipment cost) which was disposed by this Authority vide Order dated 18 June 2012 is

	fixation of upfront tariff for handling of cement and related raw material which was disposed of by this Authority vide Order dated 18 June 2012. Therefore, the VOCPT to confirm whether the equipment proposed by VOCPT earlier in its proposal which was disposed of vide Order dated 18 June 2012 will also cater to the requirement of 20000 DWT vessels. The VOCPT to also furnish the reasons for not considering any change in the handling equipment.	expected to cater to the requirement of 20,000 DWT vessels with a beam length of 22.80 mtrs. TAMP may, therefore, consider the position of same equipment for handling in the 20,000 DWT scenario in addition to 10,000 DWT scenario.
(iii).	Larger size of vessels (more than 10,000 DWT) call, in all likelihood, will have an effect on the optimal capacity of the terminal and, therefore, the revenue model. However, the VOCPT has not envisaged any increase in the optimal capacity of the terminal. The VOCPT to, therefore, review the optimal capacity of the terminal considered in the tariff order dated 18 June 2012.	As the equipments already considered at the capital cost of ₹24.80 crores meet the requirement for the handling 20,000 DWT vessels, there will be no change in the handling rate already furnished and there will be no change in the optimal capacity of the terminal as well as the total capital cost of the project. Also all the rates except berth hire charges remain unchanged.
(iv).	The VOCPT to furnish a copy of the SFC report for perusal.	The SFC report is furnished.
	In view of the above, there may be changes in the optimal capacity as well as the other charges subject to further scrutiny. Therefore, the VOCPT to have a re-look at its proposal in the light of above observations which may require reworking of various charges and furnish the requisite details.	Reply as furnished vide SI.No. (iii) above

6. A joint hearing on the case in reference was held on 29 November 2012 at the VOCPT premises. The VOCPT made a power point presentation of its proposal. At the joint hearing, the VOCPT and Shipping Corporation of India (SCI) have made the following submissions:

**V.O. Chidambaranar Port Trust**

- (i). Ministry of Shipping in the Standing Finance Committee Meeting has directed the port to obtain TAMP notification for the draught provided to handle 20,000 DWT Vessels. The Ministry has decided to go by the capital cost of ₹84.08 Crores considered by TAMP. Port is bound by Ministry's direction.
- (ii). The present trend is 80% for 10,000 DWT Vessels and 20% for 20,000 DWT Vessels. Therefore, there is necessity to fix berth hire charges in two slabs. Our proposal is to review berth hire charges alone. There is no change in other charges.

**Shipping Corporation of India (SCI)**

Our vessels are bigger vessels. We have no other comments.

7. With reference to the totality of information collected during the processing of this case, the following position emerges:

- (i). This Authority has passed an Order No.TAMP/44/2011-VOCPT dated 18 June 2012 disposing of the proposal received from the V.O. Chidambaranar Port Trust (VOCPT) for fixation of upfront tariff for handling cement and related raw materials at the shallow draught berth to be constructed on DBFOT basis. Vide the said Order, Handling charges, Storage charges, Miscellaneous charges and Berth hire charges for handling cement and related raw materials at the shallow draught berth at VOCPT have been approved as upfront tariff cap.

In this context, it may be recalled that the VOCPT in the proceedings relating to disposal of the said Order had envisaged handling of vessels of size upto 10,000 DWT initially and vessels of upto 20000 DWT in future. As recorded in the said Order, the berth is designed to handle 20,000 DWT vessels and that the capital cost and operating cost considered in this proposal are relevant for vessel size upto 20,000 DWT. However, the berth hire calculations furnished by the VOCPT then took into account the vessel size of upto 10,000 DWT only, as the VOCPT had envisaged handling of only 10000 DWT vessels during the project period. Relying upon the position as reported by the VOCPT, the upfront berth hire charge was approved for handling 10000 DWT vessels at the Shallow Draught Berth, advising the port to review the position when the contingency, as recorded in the June 2012 Order, arises.

- (ii). Based on the advice of Standing Finance Committee (SFC) to obtain revised notification from this Authority for Draught provided to handle 20000 DWT vessels, the VOCPT has now filed a proposal for revision of berth hire charges, so as to take into account the handling of 20000 DWT vessels at the Shallow Draught Berth. The VOCPT has not proposed for any modifications to the handling charges, storage charges and Miscellaneous charges approved vide Order of June 2012.

In this regard, it is noteworthy that on the ground that the equipment considered in the Order of June 2012 will also cater to the vessels of 20000 DWT, the VOCPT has stated that there will be no change in the handling rate of the equipment already considered. Since there is no change in the handling rate of the equipment, the optimal capacity of the facility is bound to remain unchanged. Since the equipment remains the same, no change is envisaged in the estimated capital cost for the facility. Thus, the estimated capital cost of ₹84.08 crores as considered in the tariff Order of June 2012 is proposed to be retained without any change, as endorsed by the SFC. As a result, the proposal of the VOCPT is to review only the upfront berth hire charge fixed vide Order of June 2012. Accordingly, this analysis proceeds further to review the upfront berth hire charges only, as requested by the VOCPT.

- (iii). As brought out earlier, the advice of the SFC is to obtain approval of this Authority for charges to handle 20000 DWT vessels from the Commercial Operation Date (COD). In this regard, the VOCPT based on the interactions with Users/manufactures and observing the trade trend has proposed that 20% of the total vessels expected to call at the facility will be in the category of 20000 DWT and the balance 80% will be in the category of 10,000 DWT. None of the users and the prospective bidders during the proceedings relating to the review case have objected to the said ratio considered by the VOCPT. In view of this position, the ratio of 20000 DWT vessels and 10,000 DWT vessels, as considered by the VOCPT at 20:80 in the calculation of the revised upfront berth hire charges, is relied upon.

- (iv). As brought by the VOCPT in the factual position relating to the case in reference, generally, the DWT of a vessel is 1.5 times of GRT of the same vessel. Based on this position, the VOCPT has furnished workings to propose revised upfront berth hire charges under two slabs i.e., upto 13000 GRT and above 13000 GRT, which corresponds to vessels of 10000 DWT and 20000 DWT respectively.

The total revenue requirement from the berth hire charges to the tune of ₹723.27 lakhs, as determined in the tariff Order of June 2012, is retained by the port without any change. This estimated revenue requirement of ₹723.27 lakhs is proposed to be realized from the handling of the 10000 DWT vessels and 20000 DWT vessels in the ratio of 80:20. The methodology followed by the VOCPT for arriving at two slabs of berth hire charges is seen to be in line with the approach relied upon by this Authority earlier while prescribing the berth hire charge for the Shallow Draught Berth in June 2012 Order. Accordingly, the VOCPT has arrived at berth hire charges relevant for handling 10000 DWT vessels and 20000 DWT vessels. A copy of the berth hire calculation is attached as Annex.

The berth hire charges so worked out for vessels upto 13,000 GRT is ₹1.68 for foreign going vessels and ₹1.01 for the coastal vessel. Similarly, berth hire charges for vessels above 13,000 GRT is ₹0.93 for foreign going vessels and ₹0.56 for coastal vessels.

Based on the proposal received from the various Major Ports including VOCPT in the past for prescribing upfront tariff caps, a single upfront berth hire charge has been approved. Infact, Clause 6.10 of the tariff Guidelines of 2005 also stipulates prescription of a single berth hire charge. However, based on the difficulties expressed by the major port trusts to rationalize the berth hire charges in one go, this Authority has accorded approval for the slab wise berth hire charges at some of the Major Port Trusts like Visakhapatnam Port Trust (VPT), Cochin Port Trust (COPT), Mormugao Port Trust (MOPT) and also VOCPT itself. In view of this position and based on the reasons given by the VOCPT for prescription of slab wise berth hire charges, this Authority is inclined to prescribe the slab wise berth hire charges for the Shallow Draught Berth, as proposed by the port.

- (v). As stated earlier, the ratio of the 10,000 DWT vessels and 20000 DWT vessels expected to call at the facility has been considered at 80:20 by the VOCPT. Keeping the optimal capacity of the facility (2665902 MTs) and estimated revenue requirement from the berth hire activity (₹723.37 lakhs) intact, our workings show that any change in the ratio of the 10,000 DWT vessels and 20000 DWT vessels expected to call at the facility, will not have an impact on the slab wise berth hire charges so determined for handling the said category of vessels. In other words, whatever be the combination of 10,000 DWT vessels and 20000 DWT vessels expected to call at the facility, the levy of berth hire charge of ₹1.68 per GRT per hour for 10000 DWT vessel and ₹0.93 per GRT per hour for 20000 DWT vessel, would enable the BOT operator to achieve only the estimated revenue requirement from the berth hire activity and nothing more.

8. In the result, and for the reasons given above and based on a collective application of mind, this Authority approves the proposal of VOCPT for revision of Berth hire charges. The Schedule of Berth hire prescribed at Section 2.1 of the Scale of Rates approved vide tariff Order no.TAMP/44/2011-VOCPT dated 18 June 2012 is replaced with the following Schedule:

“2.1 Schedule of Berth Hire:

Sl. No.	Vessels	Rate per GRT per hour or part thereof	
		Foreign (in ₹)	Coastal (in ₹)
(i).	Vessels (upto 13000 GRT)	1.68	1.01
(ii).	Vessels (above 13000 GRT)	0.93	0.56

RANI JADHAV, Chairperson  
[ADVT. III/4/143/12/Exty.]

## Annex

## Revised Berth Hire Calculation:

Sr. No.	Particulars	Unit	For 10000 DWT Vessels (80%)					For 20000 DWT Vessels (20%)				
			Bulk Cement Export	Bulk Cement Import	Dry Bulk cargo	Bagged Cargo	Total	Bulk Cement Export	Bulk Cement Import	Dry Bulk cargo	Bagged Cargo	Total
i	Ship day output											
ii	Average GRT	Tonnes/day	13388	5355	10000	4000						
iii	Average parcel size	Tonnes	7000	7000	7000	7000		13388	5355	10000	4000	
iv	Tonnage expected to be handled	Tonnes	6000	6000	6000	6000		13000	13000	13000	13000	
v	Average no. of berth days (iv / i)	Tonnes	1422984	284586	408800	16352	2132722	12000	12000	12000	12000	
vi	No. of berth hours (24 x v)	Days	106	53	41	4	204	355746	71147	102200	4088	533181
vii	Additional hours towards waiting time (3.6 x (viii))	Hours	2551	1275	981	98	4906	27	13	10	1	51
viii	Expected number of vessels (iv / iii)	Hours	854	171	245	10	1280	638	319	245	25	1226
ix	Total GRT hours (ii * vi)	Nos.	237	47	68	3	355	107	21	31	1	160
x	Revenue Requirement	GRT hours	17856387	8928201	6867840	686784	34339212	30	6	9	0	44
xi	Berth hire charges for foreign going vessels	Rupees					578.62	8290465	4145236	3188640	318864	15943206
xii	Berth hire charges for coastal vessels	Rs. Per GRT per hour					1.68					144.55
		Rs. Per GRT per hour					1.01					0.93
												0.56